Date 22-06-2020

भूमिका हाइड्रोग्राफी दिवस

भूमिका :- विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। इस दिन को इंटरनेशनल हाइड्रोग्राफी ऑर्गनाइजेशन द्वारा हाइड्रोग्राफर्स के काम और हाइड्रोग्राफी के महत्व को प्रचारित करने के लिए अपनाया गया था ।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- अंतर्राष्ट्रीय हाइड्रोग्राफी ब्यूरो एक निकाय था जो 1921 में तकनिकी मानकों, सुरक्षित नेविगेशन और समुद्री पर्यावरण के संरक्षण पर सरकारों के बीच परामर्श के लिए तंत्र प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था ।
- विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस की अवधारणा को 2005 में आईएचओ द्वारा अपनाया गया था, और संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इसका स्वागत किया गया था !
- 1970 में नाम बदलकर इंटरनेशनल हाइड्रोग्राफी ऑर्गेनाइजेशन कर दिया गया !
- इस दिन को हाइड्रोग्राफी के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के अवसर के रूप में देखा जाता है जो सभी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- इस दिन का उद्देश्य अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर आईएचओ के कार्य को प्रचार प्रदान करना है और सभी देशों की भागीदारी को सुरक्षित नेविगेशन और समुद्री जीवन की सुरक्षा को बढ़ावा देना है ।
- विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस 2020 का विषय " Hydrography enabling autonomous technologies है ।
- इस विषय के तहत, आईएचओ का उद्देश्य स्वायत्त जहाजों के साथ - साथ हवाई, सतह और पानी के नीचे सर्वेक्षण ड्रोन जैसी स्वायत्त प्रौद्योगिकियों का समर्थन करने के लिए हाइड्रोग्राफी की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करना है !

भारत विचार सम्मेलन 2020

भूमिका :- यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल, कोविड-19 दुनिया में भू-राजनीति पर ध्यान देन के साथ भारत विचार सम्मेलन 2020 का आयोजन करेगा।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- यह शिखर सम्मेलन 21 जुलाई 2020 से 22 जुलाई तक दो दिनों के लिए आयोजित किया जाएगा और 45 वीं वर्षिक बैठक को चिन्हित करेगा।

- यह शिखर सम्मेलन संयुक्त राज्य अमेरिका भारत व्यापार परिषद (USIBC) द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है ।
- शिखर सम्मेलन को भारत-संयुक्त राज्य आर्थिक साझेदारी और समग्र द्विपक्षीय संबंधों के सकारात्मक परिणामों के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए विनियमित किया गया है।
- 21 जुलाई, 2020 से 22 जुलाई 2020 तक आयोजित होने वाला शिखर सम्मेलन संयुक्त राज्य अमेरिका, चैबंर्स ऑफ कॉमर्स और यूएसआईबीसी के संयुक्त प्रयासो का परिणाम है।
- यह वार्षिक बैठक डिजिटलीकरण, आपूर्ति श्रृंखलाओं और प्रौद्योगिकी स्थानों को स्थानांतरित करने और दुनिया मे समान विकास और स्वास्थ्य सेवा के भविष्य के बारे में भी बताएगी।
- दोनों देशों के बीच व्यापार को फिर से स्थापित करने के महत्व पर भी ध्यान दिया जाएगा।
- वर्तमान में भारतीय और संयुक्त राज्य अमेरिका सरकार दोनों व्यवसायों के लिए संशोधित रणनीति के साथ अपनी अर्थव्यवस्थाओं को शुरू करना चाहते है।

गलवान घाटी विवाद

भूमिका :- हाल ही में 15 जून 2020 की रात को भारत एवं चीन की सेनाओं के बीच वर्ष 1964 के पश्चात पहली बार हिंसक झड़प हुई जिसमें कर्नल सहित भारत के 20 सैनिक मारे गये। भारतीय सेना का दावा है कि एक अधिकारी सहित चीन के 43 सैनिक भी मारे गये । यह झड़प गलवान नदी घाटी में हुयी। चीनी विदेश मंत्री का दावा है कि संपूर्ण गलवान घाटी उसकी है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दू :-

- गलवान नदी, जो अवसाई चीन-जो कि चीन के पक्ष वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (Line of Actual Control : LAG) में है, में उत्पन्न होती है, पश्चिम की ओर बहती हुयी श्योक नदी (Shyok river) में मिलती है। इस नदी के बुफे क्षेत्र जो पहाड़ो से घिरा है, गलवान घाटी कहलाती है।
- इस घाटी के पूर्व में अवसाई चीन है जो चीन के नियंत्रण में है और यह जिनजियांग उधर ऑटोनोमस क्षेत्र का हिस्सा है। इस घाटी के पश्चिम में 'श्योक नदी' है।
- गलवान नदी जिस जगह श्योक नदी में मिलती है वह भारतीय वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) में है।

- श्योक नदी जो उत्तर-दक्षिण दिशा में प्रवाहित होती है के समानांतर भारत ने डीएसडीबीओ (दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी- (DSBO) सड़क का निर्माण किया है।
- वास्तविक नियंत्रण रेखा गलवान-श्योक नदी संगम के पूर्व में घाटी में स्थित है। इस घाटी तक दोनों देशों की सेनाएं पेट्रोलिंग करती रही है।
- अब चीन कह रहा है कि संपूर्ण घाटी उसके अधिकार वाले नियंत्रण क्षेत्र की ओर है जिसका मतलब है कि इस रेखा को थोड़ा और पश्चिम ले जाता है जो श्योक नदी के पास है। भारत ने चीन के इसी दावे को खारिज करते हुये अरिरंजित करार दिया है।
- वैसे इस पर जो मानचित्र उपलब्ध है वह स्पष्ट नही है। जून 1960 चीन ने एक नया मानचित्र प्रस्तुत किया जिसमें गलवानी घाट को अपना क्षेत्र दर्शाया । नवंबर 1962 के मानचित्र की संपूर्ण घाटी को चीन ने अपना दर्शाया हालांकि उसके पश्चात गलवान नदी के सबसे पश्चिमी छोर को उसके मानचित्र में नहीं दर्शाया गया।
- हालांकि चीन ने संपूर्ण घाटी पर अपना क्षेत्र होने का दावा किया है परंतु क्षेत्रीय दावा (Territorial Claims) एवं वास्तविक नियंत्रण रेखा दावों (LAC Claims) के बीच अंतर है ।
- जहां एलएसी दावा प्रभावी अधिकार वाले क्षेत्र को दर्शाता है वहां क्षेत्रीय दावे महज दावे भर होते है । जैसे कि भारत अपने मानचित्र में 38000 वर्ग किलोमीटर का वह क्षेत्र भी दर्शाता हे और उस पर दावा करता है जो फिलहाल चीन के प्रभावी अधिकार वाला अवसाई चीन है जिसे 1962 में उसने अधिकार कर लिया था जबकि वास्तविक नियंत्रण रेखा दावा गलवान घाटी है।
- वैसे चीन ने संपूर्ण गलवान घाटी पर दावा करके वास्तविक नियंत्रण रेखा को एकपक्षीय रूप से परिवर्तीत करने का गंतव्य व्यक्त किया है।
- 1993 का बॉर्डर पीस एंड ट्रांक्विलिटी एग्रोमेंट बीपीटीए के माध्यम से दोनों पक्षो ने वास्तविक नियंत्रण रेखा का पालन करने की वचनबद्धता व्यक्त की थी।